इकाई - 3

हम एक हैं

अहा! वही उदार है परोपकार जो करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

मैथिलीशरण गुप्त

लेख

जब गांधीजी की घड़ी चोरी चली गई

स्वयं प्रकाश

जब अंग्रेजों के अंतिम वायसरॉय लॉर्ड माउण्टबेटन भारत आए तो उन्होंने सोचा कि गांधीजी से बात किए बगैर भारत में कुछ नहीं किया जा सकता। तो परंपरानुसार उन्होंने गांधीजी को चाय पर बुलाया। और गांधीजी ने यह आमंत्रण स्वीकार भी कर लिया।

'गांधीजी से बात किए बगैर भारत में कुछ नहीं किया जा सकता।' माउण्टबेटन ने ऐसा क्यों सोचा होगा?

अब वायसरॉय भवन में इस चाय पार्टी की भारी तैयारियाँ शुरू हो गईं। गांधीजी चाय पिएँगे या दूध? वे शाकाहारी हैं या मांसाहारी? कुर्सी-मेज़ पर बैठकर नाश्ता करेंगे या फर्श पर बैठकर? रसोइए का ब्राह्मण होना ज़रूरी है या कोई भी चलेगा? उस दिन गांधीजी का उपवास तो नहीं रहेगा? उनके साथ कितने लोग आएँगे और

वे क्या खाएँगे? गांधीजी को नाश्ते में क्या खाना पसंद है? उसे पकाने के लिए रसोइए कहाँ से बुलवाए जाएँगे? और सामग्री कहाँ से मंगवाई जाएगी? वगैरह-वगैरह। श्रीमती माउण्टबेटन ने इसका सारा ज़िम्मा खुद ले लिया।

गर्मियों के दिन थे। जिस कमरे में गांधीजी को बिठाना था, उसे एक घंटा पहले से रूम कूलर चलाकर पूरी तरह ठंडा कर लिया गया। उस ज़माने में पूरे हिंदुस्तान में एक ही रूम कूलर था। मकसद तो गांधीजी को आराम देना ही था, लेकिन बस यहीं से गड़बड़ शुरू हो गई।

गांधीजी अपनी धोती से अच्छी तरह बदन लपेटकर उस कमरे में अपनी कुर्सी पर सिकुड़-सिमटकर बैठ गए और कुनमुनाने लगे। लॉर्ड माउण्टबेटन उनसे बड़ी-बड़ी राजनीति की बातें कर रहे थे और गांधीजी बड़े अनमनेपन से हाँ-हूँ किए जा रहे थे। आखिर माउण्टबेटन ने पूछा कि क्या बात है? गांधीजी बोले, “इस कूलर को प्लीज़ बंद कर दीजिए, मुझे सर्दी लग रही है।”

इस तरह अपनी शान दिखाने का पहला मौका वायसरॉय से छिन गया। खैर, बातें होती रहीं। लेकिन गांधीजी ने कोई खास रुचि नहीं ली।

लॉर्ड माउण्टबेटन ने पूछा कि क्या बात है? गांधीजी बोले “मैं आ रहा था तो रास्ते में रेलगाड़ी में किसीने मेरी घड़ी चुरा ली। वह बहुत पुरानी घड़ी थी और मुझे बहुत प्यारी थी। मैं उसे यहाँ... इस तरह... अपनी धोती में कमर से टाँगे रखता था और जब चाहे निकालकर टाइम देख लेता था। मैं रोज़ सोने से पहले नियम से उसमें चाबी भरता था। पता नहीं कौन उड़ा ले गया और क्यों?" और गांधीजी अफ़सोस में डूब गए।

वायसरॉय ने भी अफ़सोस ज़ाहिर किया, लेकिन उन्हें समझ में नहीं आया कि एक छोटी-सी पुरानी घड़ी के लिए यह आदमी वायसरॉय की दावत जैसे ज़िंदगी के सबसे शानदार मौके का मज़ा किरकिरा क्यों कर रहा है? क्या इसे एक नई घड़ी दिला दूँ? लेकिन यह मानेगा थोड़ी। यह तो यही कहेगा कि मुझे अपनी वही पुरानी घड़ी चाहिए।

खैर, जब नाश्ते की बारी आई तो गांधीजी भोलेपन से बोले, "आप लोग लीजिए। मैं तो अपना नाश्ता साथ लाया हूँ।"

सोचो! कितने लोगों में इतनी हिम्मत होगी कि राजा नाश्ते पर बुलाए और वे कह दें, “आप लीजिए। मैं तो अपना नाश्ता साथ लाया हूँ।’’

तभी गांधीजी के साथ गई उनकी सहयोगी ने खादी के एक पुराने-से थैले में

से एक छोटा-सा डिब्बा और एक चम्मच निकालकर गांधीजी के सामने रख दिया। डिब्बे में बकरी के दूध से बना दही था और चम्मच हालांकि टूटा हुआ था, लेकिन उसके टूटे हत्थे पर लकड़ी की खपच्ची धागे से बाँध दी गई थी।

'मैं तो अपना नाश्ता साथ लाया हूँ'- यहाँ गांधीजी के स्वभाव की कौन-सी विशेषता व्यक्त होती है ?

वायसरॉय लॉर्ड माउण्टबेटन और उनकी पत्नी गांधीजी को देखते रह गए।

आज सोचते हैं तो लगता है गांधीजी के इस व्यवहार के पीछे भी कई बातें छिपी हुई थीं। राजनीति में अक्सर कुछ बातें बगैर कहे भी कह दी जाती हैं।

रूम कूलर बंद करवाने का सीधा मतलब नए वायसरॉय को यह संदेश देना था कि ठंडे कमरों में बैठकर हिंदुस्तान पर हुकूमत नहीं की जा सकेगी। हमसे बात करनी है तो बाहर धूप में और खुले मैदान में आओ।

घड़ी खोने की बात को इतना बढ़ा-चढ़ाकर कहने का आशय यह जताना था कि जिस ब्रिटिश राज्य का दुनिया के सामने तुम इतना ढोल पीटते हो और गुण गाते हो उसमें मेरी घड़ी तक सुरक्षित नहीं है।

और इसका असर क्या हुआ? अगले दिन के समाचार पत्रों में इस बारे में कोई समाचार नहीं था कि गांधीजी और वायसरॉय में क्या बात हुई, लेकिन यह खबर बड़े-बड़े अक्षरों में थी कि गांधीजी की प्रिय घड़ी चोरी चली गई। हालांकि कुछ रोज़ बाद चोर ने साबरमती आश्रम जाकर गांधीजी को उनकी घड़ी लौटा भी दी।

और अपना नाश्ता...यानी माल -टाल नहीं...बकरी का दूध...क्योंकि भारत की गरीब जनता को यही उपलब्ध है। वैसे इसका एक और अर्थ यह भी हो सकता है कि हिंदुस्तान के लोग अपनी मेहनत की खाते हैं जबकि ब्रिटेन जैसे साम्राज्यवादी दूसरों की लूट पर ऐश करते हैं।

गांधीजी का यह मज़ेदार किस्सा मैंने लेपियर और कौलिन की पुस्तक 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में पढ़ा है। अच्छी किताब है। कहीं मिले तो ज़रूर पढ़ना।

'राजनीति में अक्सर कुछ बातें बगैर कहे भी कह दी जाती हैं।' इसका मतलब क्या है?

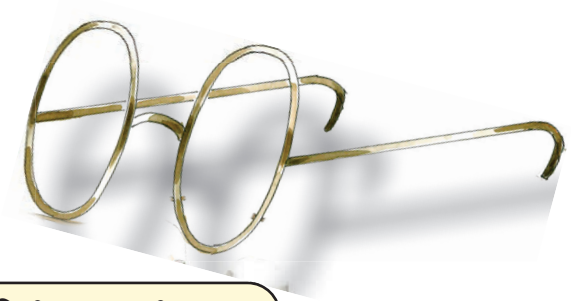

पठित लेख के आधार पर लिखें :

गांधीजी का व्यवहार	लेखक की व्याख्या
• वायसरॉय के साथ की चर्चा के समय अनमनापन दिखाना।	
• अपना नाश्ता खुद लाना।	

संबंध पहचानें, लिखें :

गांधीजी बोले, "मैं आ रहा था तो रास्ते में रेलगाड़ी में किसीने मेरी घड़ी चुरा ली। वह बहुत पुरानी घड़ी थी और मुझे बहुत प्यारी थी।"

- यहाँ **मैं** का संबंध किससे है ?
- पहचानें, **मेरी**, **मुझे** जैसे पद कैसे बनते हैं?
- लेख से सर्वनाम तथा उसके परसर्ग युक्त रूपों को चुनकर लिखें।

सर्वनाम	परसर्ग युक्त रूप
मैं	मेरी, मुझे

रेखांकित प्रयोगों पर ध्यान दें और नए वाक्य बनाएँ :

- रोमांचक मैच के बीच अचानक विराट के विकेट गिरने से सारा मज़ा किरकिरा हो गया।
- कोई भी संजू से कुछ मत कहिएगा, वह ढोल पीट देगा।

बातचीत लिखें :

गांधीजी की चाय पार्टी की तैयारियों के बारे में लेडी माउण्टबेटन और लॉर्ड माउण्टबेटन के बीच की संभावित बातचीत तैयार करें।

डायरी लिखें :

मान लें, गांधीजी के साथ की पहली मुलाकात के बारे में वायसरॉय ने डायरी लिखी। वह डायरी लिखें।

अनुबद्ध कार्य करें :

लेपियर और कौलिन की पुस्तक 'आज़ादी आधी रात को' (Freedom at Midnight) जैसी पुस्तक पढ़ें। गांधीजी के जीवन की अन्य दिलचस्प और प्रेरणादायक घटनाओं का परिचय पाएँ।

स्वयं प्रकाश

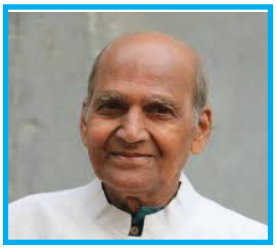

जन्म : 20 जनवरी1947
मृत्यु : 07 दिसंबर 2019

स्वयं प्रकाश हिंदी कहानीकार के रूप में मशहूर हैं। उनका जन्म मध्यप्रदेश में हुआ। 'सूरज कब निकलेगा', 'आएँगे अच्छे दिन भी', 'बीच में विनय', 'ईंधन' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। वे रांगेय राघव पुरस्कार, पहल पुरस्कार आदि से सम्मानित हैं।

मदद लें...

बात किए बगैर	-	चर्चा किए बिना
फर्श	-	തറ, floor, ನೆಲ, **தரை**
रसोइया	-	खाना बनाने वाला
जिम्मा	-	दायित्व
मकसद	-	उद्देश्य
बदन	-	शरीर
लपेटना	-	പുതയ്ക്കുക, to cover, ಹೊದಿಸುವುದು, **மூடுதல்**
सिकुड़-सिमटकर बैठना	-	കൂനിക്കൂടിയിരിക്കുക, to hunch over, ಮುದುಡಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳು, **கூனி க்குறுகி இருத்தல்**
कुनमुनाना	-	हल्का विरोध प्रकट करना
अनमनापन	-	उदासी
शान दिखाना	-	പ്രതാപം കാണിക്കുക, to flaunt one’s nobility, ಪ್ರತಾಪ ತೋರಿಸು, **தற்பெருமைகூறுதல்**
छिन जाना	-	തട്ടിയെടുക്കപ്പെടുക, seized, ಕಸಿದುಕೊಳ್ಳು, **பறிக்கப்படுதல்**
टाँगना	-	തൂക്കിയിടുക, to hang, ತೂಗು ಹಾಕು, **தொங்கவிடுதல்**
अफ़सोस ज़ाहिर करना	-	दुख प्रकट करना
शानदार मौका	-	भव्य अवसर
मज़ा किरकिरा करना	-	आनंद नष्ट करना
भोलापन	-	നിഷ്കളങ്കത, innocence, ನಿಷ್ಕಳಂಕತೆ, **ளங்கமில்லாத**
टूटा हत्था	-	പൊട്ടിയ കൈപ്പിടി, broken stem of a spoon, ತುಂಡಾದ ಹಿಡಿಕೆ, **உடைந்த கைப்பிடி**
लकड़ी की खपच्ची	-	ചെറിയ കമ്പ്, small stick, ಸಣ್ಣಮರದ ಕಡ್ಡಿ, **சிறிய மரக்குச்சி**
धागा	-	ചരട്, thread, ದಾರ, **கயிறு**
के बगैर	-	के सिवा
हुकूमत करना	-	शासन करना
जताना	-	बताना
ढोल पीटना	-	കൊട്ടിഘോഷിക്കുക, to flaunt, ಪ್ರಚಾರ ಮಾಡು, **விளம்பரம் செய்தல்**
असर	-	प्रभाव
माल-टाल	-	बड़ा खाना
ऐश	-	സുഖലോലുപത, luxury, ಭೋಗವಿಲಾಸ, **சிற்றின்பம்**
मज़ेदार किस्सा	-	रसीली कहानी

कविता

जन-जन का चेहरा एक

मुक्तिबोध

चाहे जिस देश प्रांत पुर का हो
जन-जन का चेहरा एक।

'जन-जन' से कवि का मतलब क्या होगा?

एशिया की, यूरोप की, अमरीका की
गलियों की धूप एक।
कष्ट-दुख संताप की,
चेहरों पर पड़ी हुई झुर्रियों का रूप एक।
जोश में यों ताकत से बँधी हुई
मुट्ठियों का एक लक्ष्य!

'चेहरों पर पड़ी झुर्रियों का रूप' -किसकी ओर संकेत करता है?

पृथ्वी के गोल चारों ओर से धरातल पर
है जनता का दल एक, एक पक्ष।
जलता हुआ लाल कि भयानक सितारा एक
उद्दीपित उसका विकराल-सा इशारा एक।

कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा कि जन-जन का चेहरा एक है?

गंगा में, इरावती में, मिनाम में
अपार अकुलाती हुई,
नील नदी, आमेज़न, मिसौरी में वेदना से गाती हुई,
बहती-बहाती हुई ज़िंदगी की धारा एक।

जन-जीवन से नदी का क्या संबंध है?

संबंध पहचानें और जोड़कर लिखें :

नदी का नाम	मुख्य क्षेत्र
• गंगा	• म्यानमर
• नील	• भारत
• इरावती	• दक्षिण अमरीका
• आमेज़न	• मिस्र

सही मिलान करें :

जनता के चेहरे की झुर्रियाँ	जनता का विरोध
बँधी हुई मुट्ठियाँ	जनता की प्रतीक्षा
जलता हुआ सितारा	जनता का संघर्ष
अपार अकुलाती ज़िंदगी की धारा	जनता की वेदना

समान आशय वाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें :

- अन्याय के विरोध में आवाज़ उठाने वालों का लक्ष्य एक है।
- शोषितों के सपने का जलता लाल सितारा एक है।

इसकी पूर्ति करें, कविता का आशय लिखें :

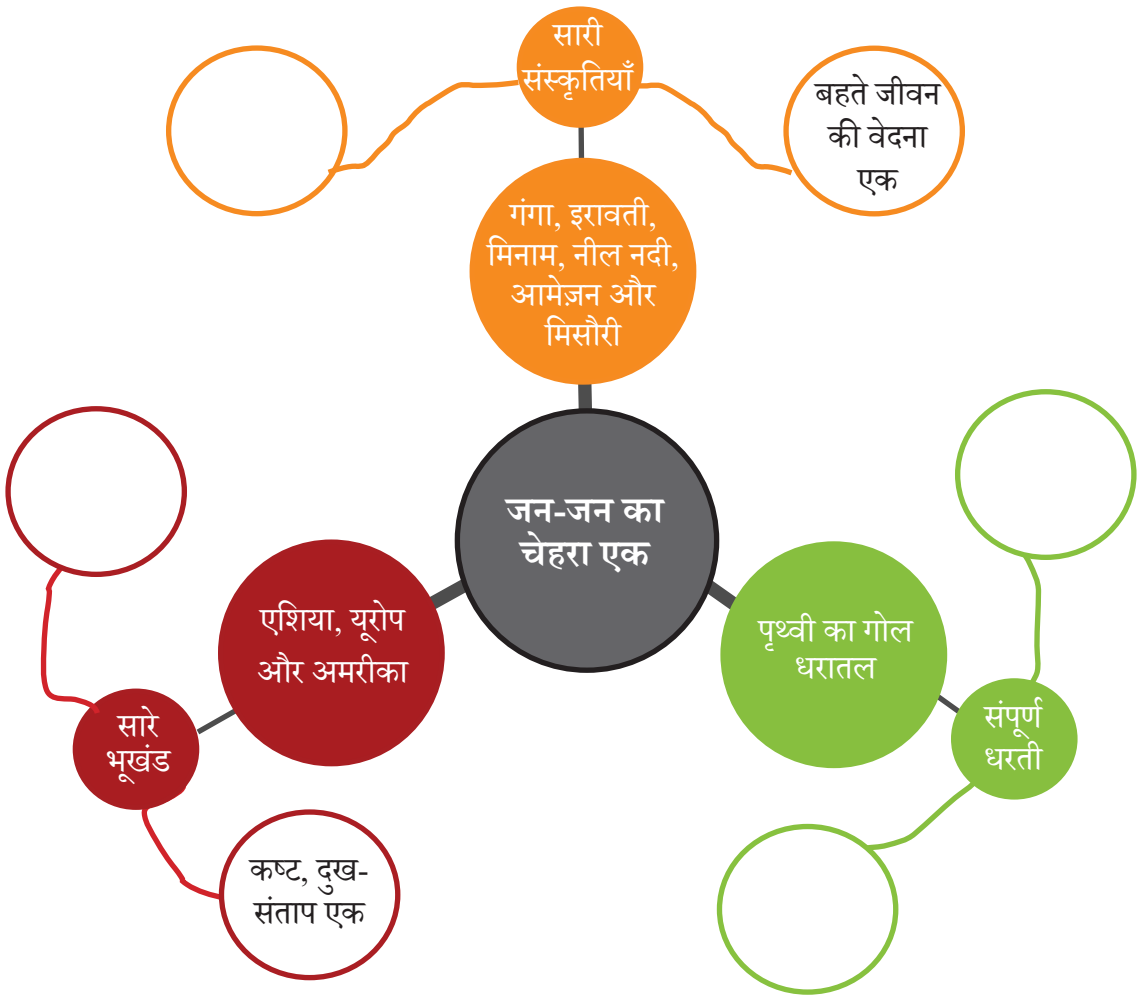

मुक्तिबोध

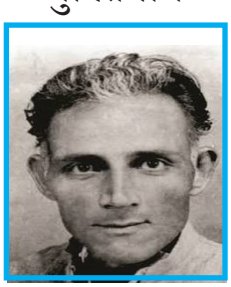

जन्म : 13 नवंबर 1917
मृत्यु : 11 सितंबर 1964

गजानन माधव मुक्तिबोध हिंदी साहित्य की प्रगतिशील काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि हैं। उनका जन्म मध्यप्रदेश में हुआ। 'चाँद का मुँह टेढ़ा है', 'भूरी भूरी खाक धूल', 'काठ का सपना', 'एक साहित्यिक की डायरी' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

मदद लें...

प्रांत	-	प्रदेश
पुर	-	शहर
गली	-	തെരുവ്, street, ಗಲ್ಲಿ, தெரு /வீதி
धूप	-	വെയിൽ, sunlight, ಬಿಸಿಲು, வெயில்
झुर्रियाँ	-	ചുളിവുകൾ, wrinkles, ಸುಕ್ಕುಗಟ್ಟುವಿಕೆ, சுருக்கம்
जोश	-	ആവേശം, enthusiasm, ಆವೇಶ, உணர்ச்சி
ताकत	-	शक्ति
बँधी हुई मुट्ठी	-	ചുരുട്ടിയ മുഷ്ടി, clenched fist, ಮುಷ್ಟಿ ಹಿಡಿಯುವುದು, கை முட்டியை மடக்கி
धरातल	-	भूतल
उद्दीपित	-	ഉത്തേജിപ്പിക്കപ്പെട്ട, stimulated, ಉತ್ತೇಜಿಸಲ್ಪಟ್ಟ, தூண்டுதல்
विकराल	-	भीषण
अकुलाना	-	व्याकुल होना

इकाई मुखपृष्ठ के कवि
मैथिलीशरण गुप्त

जन्म : 3 अगस्त 1886
मृत्यु : 12 दिसंबर 1964

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त हिंदी के प्रसिद्ध कवि थे। हिंदी साहित्य के इतिहास में वे खड़ीबोली के महत्वपूर्ण कवि हैं। उनकी कृति 'भारत-भारती' भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समय में काफ़ी प्रभावशाली सिद्ध हुई थी और इसी कारण से महात्मा गांधी ने उन्हें 'राष्ट्रकवि' का पद दिया था। सन् 1954 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया।